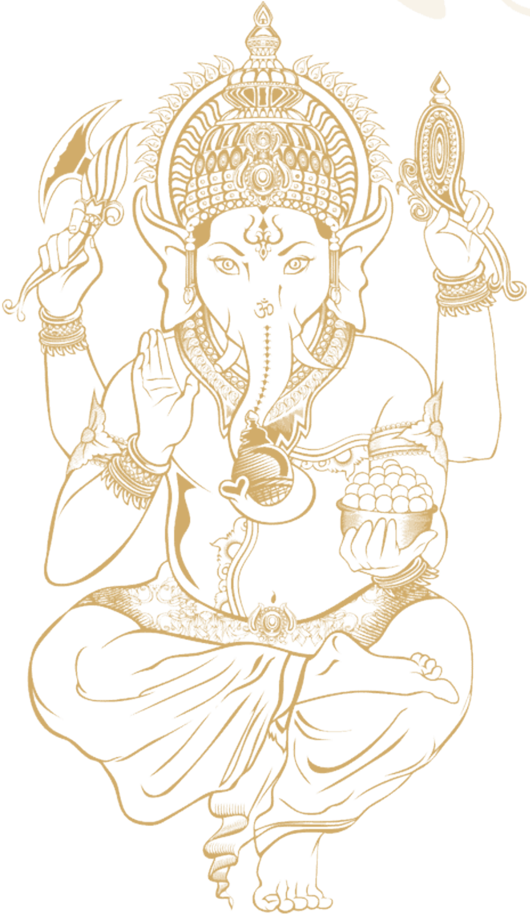

Isha

28 Feb 2012

10:20 PM

Delhi

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**28/02/2012**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**22:20:00 घंटे**
इष्ट	38:49:08 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:58:52 घंटे
वेलान्तर	-00:12:41 घंटे
साम्पातिक काल	08:30:32 घंटे
सूर्योदय	06:48:20 घंटे
सूर्यास्त	18:19:40 घंटे
दिनमान	11:31:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	15:28:21 कुम्भ
लग्न के अंश	08:52:22 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 2**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ऐन्द्र
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	इ-ईशा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	08:52:22	311:10:32	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
सूर्य			कुंभ	15:28:21	01:00:16	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	00:44:21	11:48:28	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	उच्च राशि
मंगल	व		सिंह	21:15:03	00:23:16	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
बुध			मीन	01:59:33	01:32:18	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	नीच राशि
गुरु			मेष	12:45:56	00:10:43	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			मीन	29:34:33	01:07:32	रेवती	4	27	गुरु	बुध	शनि	उच्च राशि
शनि	व		तुला	05:05:28	00:02:09	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	उच्च राशि
राहु	व		वृश्चिक	15:27:43	00:00:59	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	15:27:43	00:00:59	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	सम राशि
हर्ष			मीन	09:04:45	00:03:12	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
नेप			कुंभ	06:54:29	00:02:16	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
प्लूटो			धनु	15:04:47	00:01:16	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	11:15:03	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:54

लग्न-चलित

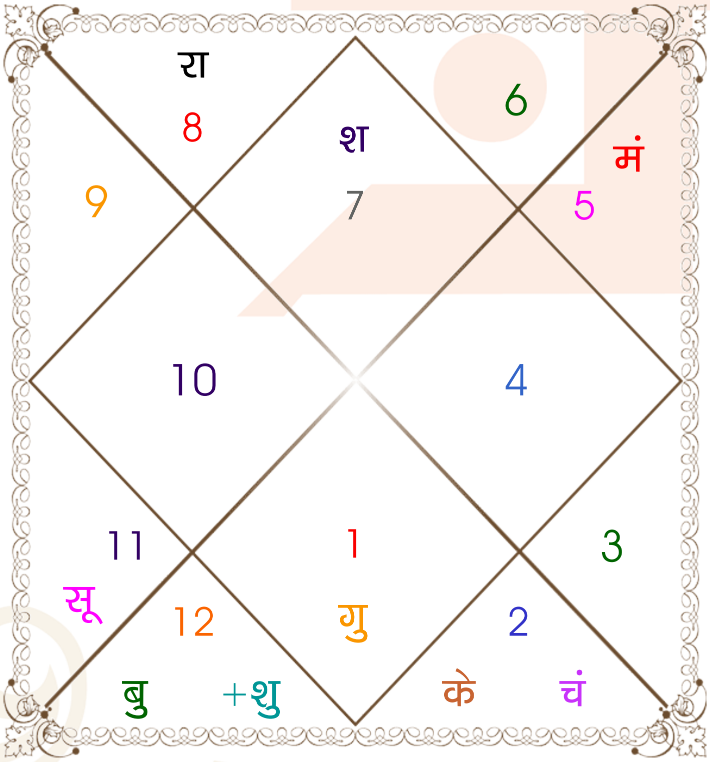

चन्द्र कुंडली

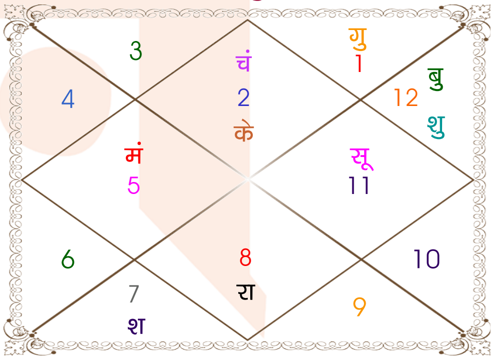

नवमांश कुंडली

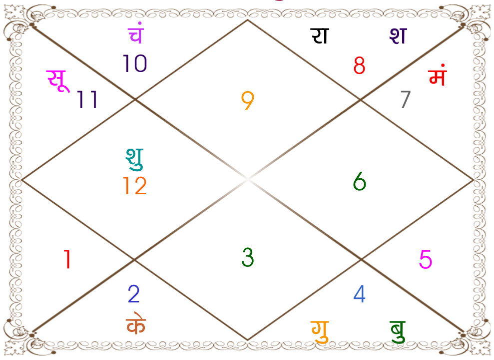

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 2 मास 0 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/02/2012		30/04/2016		30/04/2026		30/04/2033		30/04/2051	
30/04/2016		30/04/2026		30/04/2033		30/04/2051		30/04/2067	
	00/00/0000	चंद्र	28/02/2017	मंगल	26/09/2026	राहु	11/01/2036	गुरु	17/06/2053
	00/00/0000	मंगल	29/09/2017	राहु	15/10/2027	गुरु	06/06/2038	शनि	30/12/2055
	28/02/2012	राहु	31/03/2019	गुरु	20/09/2028	शनि	12/04/2041	बुध	06/04/2058
राहु	18/05/2012	गुरु	30/07/2020	शनि	29/10/2029	बुध	30/10/2043	केतु	13/03/2059
गुरु	06/03/2013	शनि	28/02/2022	बुध	27/10/2030	केतु	16/11/2044	शुक्र	11/11/2061
शनि	16/02/2014	बुध	31/07/2023	केतु	25/03/2031	शुक्र	17/11/2047	सूर्य	30/08/2062
बुध	23/12/2014	केतु	29/02/2024	शुक्र	24/05/2032	सूर्य	11/10/2048	चंद्र	30/12/2063
केतु	30/04/2015	शुक्र	29/10/2025	सूर्य	29/09/2032	चंद्र	12/04/2050	मंगल	05/12/2064
शुक्र	30/04/2016	सूर्य	30/04/2026	चंद्र	30/04/2033	मंगल	30/04/2051	राहु	30/04/2067

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
30/04/2067		30/04/2086		01/05/2103		01/05/2110		01/05/2130	
30/04/2086		01/05/2103		01/05/2110		01/05/2130		00/00/0000	
शनि	03/05/2070	बुध	26/09/2088	केतु	27/09/2103	शुक्र	31/08/2113	सूर्य	19/08/2130
बुध	10/01/2073	केतु	23/09/2089	शुक्र	27/11/2104	सूर्य	31/08/2114	चंद्र	17/02/2131
केतु	19/02/2074	शुक्र	24/07/2092	सूर्य	03/04/2105	चंद्र	01/05/2116	मंगल	25/06/2131
शुक्र	21/04/2077	सूर्य	30/05/2093	चंद्र	02/11/2105	मंगल	01/07/2117	राहु	29/02/2132
सूर्य	03/04/2078	चंद्र	30/10/2094	मंगल	01/04/2106	राहु	30/06/2120		00/00/0000
चंद्र	02/11/2079	मंगल	27/10/2095	राहु	19/04/2107	गुरु	01/03/2123		00/00/0000
मंगल	11/12/2080	राहु	15/05/2098	गुरु	25/03/2108	शनि	01/05/2126		00/00/0000
राहु	18/10/2083	गुरु	21/08/2100	शनि	04/05/2109	बुध	01/03/2129		00/00/0000
गुरु	30/04/2086	शनि	01/05/2103	बुध	01/05/2110	केतु	01/05/2130		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 1 मा 29 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ धनु राशि का नवमांश एवं तुला राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। आपका यह जन्मकालिक प्रभाव यह निर्दिष्ट करता है कि सामान्यतया आपका जन्म प्रभाव का प्रवेश काल अति उत्तम फलदायी मुख्यतः आपकी आयु के 30 वें वर्ष से 35 वर्ष के समय में प्रमाणित होगा।

बल्कि आप मृदु स्वभाव की उत्तम प्राणी हैं। आपमें ऐसी क्षमता विद्यमान है कि आप अपने धैर्य को नियंत्रित रखती हैं। आपका वास्तविक मूल्यांकन अन्य व्यक्ति करते हैं। आप किसी भी वस्तु का सही महत्त्व एवं मूल्यांकन कर सकती हैं। आप अपने व्यवसाय में सफल हो सकती हैं। इसलिए यदि आपकी अभिलाषा हो, तो आप पुजारी होकर, उच्च स्तरीय धार्मिक उपदेशक बनकर उच्च कोटि की श्रद्धावान हो सकती हैं। आप सदैव धार्मिक और परोपकारी संस्थाओं को दान-प्रदान करने के लिए उत्सुक रहेंगी। आपके लिए व्यवसायों में उत्तम व्यवसाय ऑटो मोबाइल्स, ट्रांसपोर्ट का कार्य, पर्यटन अथवा फैन्सी वस्तुओं का धन्धा अच्छा होगा।

यदि आप अपने अनुकूल सेवा (नौकरी) कार्य करना चाहती हैं तो आप वैज्ञानिक अथवा न्यायधीश की सेवा कार्य प्रारंभ कर सकती हैं। आप निश्चय पूर्वक धनी होंगी। धन का सदुपयोग अपने परिवार के सहायता हेतु एवं मित्रों की सहायता हेतु करेंगी। आप जन सामान्य में यह प्रदर्शन नहीं करेंगी कि आप सामान्य विपरीत योनि के प्रति वासनात्मक प्रवृति रखती हैं। परंतु आप अपने पति के साथ गहन प्रेम संबंध बनाए रखेंगी। आप हर परिस्थिति में संभव मांग अर्थात् अपने पति एवं बच्चों की अभिलाषा पूरी करेंगी।

आपका पूर्ण सामंजस्य मिथुन राशि अथवा कुंभ राशि लग्न में उत्पन्न जातक के साथ हो सकता है। यदि आप अपनी पसंद के अनुरूप मकर राशि कर्क अथवा मीन राशीय जलीय तत्व के प्राणी के साथ मैत्री करना चाहें तो आप इनके साथ मित्रता करके अधिक प्रसन्न रह सकेंगी। आपका एक सामंजस्य पूर्ण परिवार होगा जिसमें सीमित संख्या में आपकी संताने होंगी जो आपके द्वारा अपने पैरों पर खड़े होंगे तथा आपकी वृद्धावस्था के लिए सहायक सिद्ध होंगे। आप संतान के संबंध में एक भाग्यशाली महिला होंगी जो अपने नाम और अपनी प्रसिद्धि कर आपको आनंदित करेंगे।

आप स्वास्थ्य और शारीरिक दृष्टि से उत्तम, सुंदर, मनोहर एवं प्रतिभा संपन्न होंगी। आपकी ओठ सदैव ही मुस्कुराहट से युक्त तथा चेहरा हंसमुख प्रतीत होगा। स्वास्थ्य तो बहुत उत्तम रहेगा परंतु कालांतर में मूत्र संबंधी परेशानी तथा मेरुदंडनीय अव्यवस्था उत्पन्न न हो जाए अस्तु आप को सावधानी बरतनी होंगी।

आप अति महत्वकांक्षी प्राणी हैं। आप अपने उदेश्य तक पहुंचने के लिए कठिन श्रम का संपादन करेंगी। आप अपने अच्छे शिष्टाचार एवं सुंदर व्यवहार प्रेमालिंगन के कारण शक्ति संपन्न एवं उच्चकोटि की प्राणी होंगी।

इस प्रकार का बदलाव आपके लिए लाभदायक तथा धन-संपति से युक्त संपन्नता व्यक्त करायेगा। आपक सौम्य स्वभाव दूसरों को एक संयमित धन प्रदान करायेगा। आपको यथा संभव बेईमान एवं चरित्रहीन तत्व के प्रति सतर्क रहना चाहिए जो तत्व आपको मूर्ख समझते हैं। आप इस प्रकार के परिष्कार करने वाली आदतों का त्याग करें जो कि नकारात्मक प्रवृति को उत्पन्न करती है। इस प्रकार के अनगिणत प्राणी आपसे अर्थिक सहयोग लेकर आपकी आर्थिक स्थिति को पंगु बना देंगे।

आपका परिवारिक एक अंग जो विदेशी अच्छे मित्र हैं। उनके द्वारा आपको महान उपलब्धि प्राप्त होगी। आपके लिए इन मित्रों के बिना आपका समय व्यतीत करना एक दुष्कर कार्य होगा। आप उनके लिए विश्वासी, शक्ति संपन्न एवं सम्मानित दृष्टिगत होंगी। आप वास्तव में मित्रों की मित्र हैं। आप उनकी सहायता हेतु किसी भी प्रकार का सीमोलंघन करेंगी।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 5 और 7 अंक अति उत्तम फलदायी है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में उत्तम रंग नारंगी, लाल एवं सफेद रंग हैं। परंतु रंग पीला एवं हरे रंगों का त्याग करेंगे।